RNI No. GUJHIN/2011/39228
GARVI GUJARAT
# गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
अहमदाबाद से प्रकाशित होता दैनिक
संपादक : श्री मनोजकुमार चंपकलाल शाह
रजी. ऑफिस : १३१, धर्मनगर सोसायटी, हाईवे रोड, साबरमती, अहमदाबाद- ३८० ००५. गुजरात, भारत.
फोन /फेक्स : (०७९) २७५७ ३३०७, ९०१६३ ३३३०७ (मो) ९३२८३ ३३३०७, ९८२५३ ३३३०७, Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Website : www.garvigujarat.co.in
वर्ष : 08 | अंक : 243 | दि. 01-01-2019 मंगलवार | वि.सं. 2075 | मागशर वद-११ | पाना : 04 | किंमत : 00.50 पैसा

सरकार का चर्चा से भागने का विपक्ष पर आरोप

# महत्वपूर्ण तीन तलाक बिल को सिलेक्ट कमिटी के पास भेजने पर अड़ा विपक्ष

**कांग्रेस पार्टी का कहना है कि यह मुस्लिम महिलाओं से जुड़ा अति महत्वपूर्ण विधेयक हैं और इसे सिलेक्ट कमिटी में भेजकर चर्चा कराना आवश्यक है**

(संपूर्ण समाचार सेवा)नई दिल्ली, विपक्ष के कड़े विरोध के कारण राज्यसभा में आज तीन तलाक विधेयक पर चर्चा नहीं हो सकी । कांग्रेस के नेतृत्व में लगभग समूचा विपक्ष इसे जांच के लिए सिलेक्ट कमिटी के पास भेजने पर अड़ा रहा । सरकार ने आरोप लगाया है कि विपक्ष मुस्लिम महिलाओं के अधिकार से जुड़े इस विधेयक को जानबूझकर लटकाना चाहता है । उधर, कांग्रेस पार्टी का कहना है कि यह मुस्लिम महिलाओं से जुड़ा अति महत्वपूर्ण विधेयक हैं और इसे सिलेक्ट कमिटी में भेजकर चर्चा कराना आवश्यक है । गौरतल है कि लोकसभा हाल ही में इस बिल को पारित कर चुकी है लेकिन कानून बनने के लिए बिल का राज्यसभा से पास होना भी जरूरी है । सोमवार को दोनों पक्षों के अपने-अपने रुख पर कायम रहने के कारण इस बिल पर चर्चा नहीं हो सकी । हंगामे के कारण कार्यवाही दो बार स्थगित हुई और दोपहर २.३० बजे पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई । एक बार के स्थगन के बाद दोपहर २ बजे बैठक शुरू होने पर मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण विधेयक २०१८ को चर्चा के लिए लाया गया । इसी दौरान एआईएडीएमके के सदस्य कावेरी नदी पर बांध के निर्माण करते हुए आसन के निकट आ गए । उपसभापति हरिवंश ने हंगामा कर रहे सदस्यों से शांत होने और अपने स्थानों पर लौटने की अपील करते हुए कहा है कि लोकसभा चल रही है और वहां चर्चा हो रही है । लेकिन राज्यसभा में कामकाज नहीं हो रहा है । हम अपनी भूमिका के बारे में देश को क्या संदेश देना चाहते हैं ? हंगामे के बीच तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन ने विधेयक को सिलेक्ट कमिटी में भेजने की मांग की और कहा कि अधिकतर विपक्षी सदस्य इस विधेयक को सिलेक्ट कमिटी में भेजना चाहते हैं तो सरकार इसे क्यों नहीं भेज रही ?

नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी आजाद ने कहा कि यह ऐसा विधेयक है जो बहुत से लोगों के जीवन को सकारात्मक या नकारात्मक तरीके से प्रभावित करेगा, लिहाजा विधेयक को सिलेस्ट कमिटी में भेजकर इस पर विस्तार से चर्चा होनी चाहिए । उन्होंने कहा कि इस संबंध में विपक्ष द्वारा प्रस्ताव भी लाया गया है । उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि वह संसदीय परंपराओं की अनदेखी कर अधिकतर विधेयकों को सिलेक्ट कमिटी में भेजे बिना इन्हें सीधे संसद में पारित करवाना चाहती है । आजाद ने कहा कि तीन तलाक विधेयक को लोकसभा में स्थायी समिति के पास नहीं भेजा गया । आजाद ने कहा कि यह मुस्लिम महिलाओं से जुड़ा एक अति महत्वपूर्ण विधेयक है और इसे सिलेक्ट कमिटी में भेज कर इस पर चर्चा कराना आवश्यक है । इस पर संसदीय कार्य राज्यमंत्री विजय गोयल ने कहा कि यह मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों से जुड़ा अति महत्वपूर्ण विधेयक है तथा विपक्ष इस विधेयक को जानबूझकर अटकाना चाहता है इसीलिए वह इसे सिलेक्ट कमिटी में भेजने की मांग कर रहा है । गोयल ने कहा कि लोकसभा में पहली बार कांग्रेस ने इस विधेयक का समर्थन किया था, दूसरी बार उसने चर्चा में भाग लिया । उन्होंने विपक्ष पर इस विधेयक पर चर्चा से बचने का आरोप लगाया । इस मुद्दे पर सदन में कोई सहमति बनते नहीं देख उपसभापति ने दोपहर दो बजकर करीब दस मिनिट पर बैठक को १५ मिनिट के लिए स्थगित कर दिया । बाद में बैठक शुरू होने पर भी सदन में हंगामा जारी रहा ।

लोकतंत्र बचाओ यात्रा पर ४ जनवरी को सुनवाई

## ममता के गढ़ में खुद जमीन पर उतरेंगे पीएम नरेन्द्र मोदी

**'लोकतंत्र बचाओ यात्रा' ना निकाल पाने वाली बीजेपी अब मोदी की रैलियों को आयोजित कराने की तैयारी में**

(संपूर्ण समाचार सेवा) कोलकाता, पश्चिम बंगाल में तमाम कोशिशों के बावजूद अब तक अपनी 'लोकतंत्र बचाओ यात्रा' ना निकाल पाने वाली बीजेपी अब यहां पीएम मोदी की कई रैलियों को आयोजित कराने की तैयारी कर रही है । राज्य में विधानसभा चुनाव का प्रचार अभियान शुरू होने से पहले खुद पीएम मोदी भी प्रादेशिक कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाने यहां कई रैलियों को संबोधित करने की योजना पर काम कर रहे हैं । वहीं बीजेपी के संगठन स्तर पर भी पीएम की रैलियों को लेकर तैयारियां शुरू हो गई है । हाल ही में पश्चिम बंगाल के उच्च न्यायालय ने बीजेपी द्वारा प्रस्तावित लोकतंत्र बचाओ यात्रा (रथयात्रा) को मंजूरी देने से इनकार कर दिया था । बीजेपी ने राज्य में रथयात्रा की अनुमति नहीं देने के कोलकाता हाईकोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिस पर आगामी ४ जनवरी को सुनवाई की जानी है । बीजेपी की तीन चरणों में प्रस्तावित रथयात्रा प्रदेश के सभी ४२ लोकसभा सीटों से गुजरेगी । इस 'लोकतंत्र बचाओ यात्रा' का भी नाम दिया गया है । वहीं कानूनी दांवपेच के बीच बीजेपी अब पीएम मोदी को भी पश्चिम बंगाल के रण में उतारने की तैयारी कर रही है । इस बारे में बीजेपी महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने कहा, हम पश्चिम बंगाल में पीएम मोदी की रैली आयोजित कराने की योजना पर काम कर रहे हैं और पश्चिम बंगाल हमारी प्राथमिकताओं वाला राज्य है । फिलहाल प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, जनवरी और फरवरी में पश्चिम बंगाल के अलग-अलग हिस्सों में प्रधानमंत्री की रैलियां आयोजित करने की दिशा में काम किया जा रहा है । कैलाश विजयवर्गीय ने यह भी कहा कि बीजेपी प्रस्तावित लोकतंत्र बचाओ यात्रा को लेकर कानूनी लड़ाई लड़ रही है और इसके लिए सुप्रीम कोर्ट में पूरी मजबूती से पार्टी का पक्ष रखा जाएगा । बताया जा रहा है कि पीएम की प्रस्तावित रैलियों से पहले पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने रविवार को पश्चिम बंगाल के पार्टी पदाधिकारियों से मुलाकात की है ।

भारतीय सेना पर बड़े हमले की साजिश नाकाम

## पाकिस्तानी सेना की वर्दी पहने दो घुसपैठिए ढेर हुए

**ये घुसपैठिए अपनी बर्बरता के लिए बदनाम पाकिस्तान की BAT के सदस्य थे और बड़े हमले की फिराक में थे**

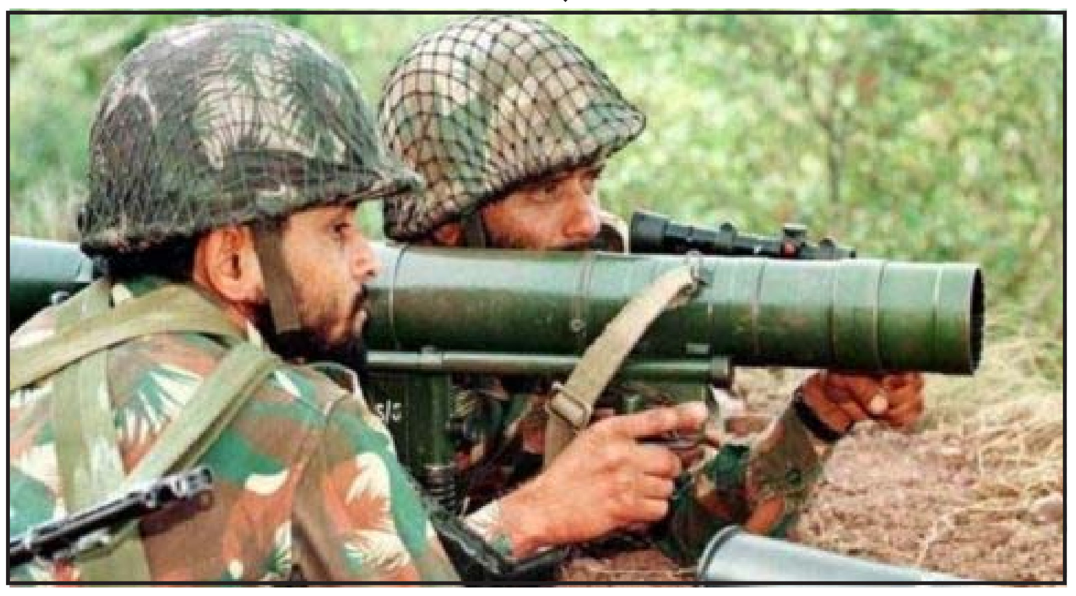

(संपूर्ण समाचार सेवा)श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर के नौगाम सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर भारतीय सेना को बड़ी कामयाबी हाथ लगी । सेना ने पाकिस्तानी सेना की वर्दी पहने दो घुसपैठियों को मार गिराया । बताया जा रहा है कि ये घुसपैठिए अपनी बर्बरता के लिए बदनाम पाकिस्तान की बॉर्डर ऐक्शन टीम (BAT) के सदस्य थे और भारतीय सेना के खिलाफ बड़े हमले की फिराक में थे । इन घुसपैठियों के पास से भारी मात्रा में गोला-बारूद मिला है । इन पर पाकिस्तान के निशान बने हुए हैं । इन घुसपैठियों ने पाकिस्तान की सेना द्वारा लड़ाई के दौरान पहने जाने वाली ड्रेस पहन रखी थी । इनमें से कुछ घुसपैठियों ने भारत के बीएसएफ और भारतीय सेना के पुराने ड्रेस की तर्ज पर वर्दी पहन रखी थी । सूत्रों ने बताया कि जब ये घुसपैठिए भारतीय सीमा में प्रवेश कर रहे थे, उस समय उनकी मदद के लिए पाकिस्तान की ओर से भारी हथियारों से जमकर गोलीबारी की गई थी । इस बीच सेना ने कहा कि वह पाकिस्तान से कहेगा कि वह इन घुसपैठियों के शव वापस ले क्योंकि ऐसा प्रतीत हो रहा है कि मारे गए लोग पाकिस्तानी सेना के जवान हैं । पाकिस्तानी घुसपैठिए नियंत्रण रेखा पर स्थित घने जंगलों और पहाड़ी इलाकों का फायदा उठाकर भारतीय सीमा में प्रवेश करना चाहते थे । इसी दौरान भारतीय सेना ने उन्हें मार गिराया । सेना ने अभी मारे गए कुल घुसपैठियों के संख्या की पुष्टि नहीं की है । पाकिस्तान की बॉर्डर ऐकशन टीम (BAT) वहीं बर्बर टीम है जो भारतीय सैनिकों के शवों को क्षत-विक्षत करने के लिए कुख्यात है । गरगिल युद्ध के दौरान कैप्टन सौरभ कालिया को बैट ने ही टॉर्चर किया था और उनके शरीर को क्षत-विक्षत किया था । जिसके कुछ वक्त बाद उनका शव भारत को सौंपा गया । पिछले दिनों इंटेलिजेंस एजेंसियों ने भी आगाह किया था कि हाल ही में आतंकियों के एक ग्रुप ने सियालकोट से कुछ दूरी पर स्पेशल ट्रेनिंग पूरी की है । सुरक्षा एजेंसी सूत्रों के मुताबिक यह ट्रेंड ग्रुप अटैक कर सकता है । पाकिस्तान की बॉर्डर ऐकशन टीम क्रोस बॉर्डर ऑपरेशन और लाइव ऑफ कंट्रोल पर रेड करती है । पाकिस्तान की स्पेशल सर्विसेज ग्रुप (एसएसजी) ने इस टीम का गठन किया है । भारतीय सुरक्षा एजेंसी के सूत्रों के मुताबिक बैट में पाकिस्तान आर्मी के कमांडो के साथ आतंकी भी होते हैं । वह गुरिल्ला लड़ाई में ट्रेंड होते हैं । आतंकियों को बैट में इसलिए शामिल किया जाता है ताकि पकड़े जाने पर पाकिस्तान उन्हें अस्वीकार कर सके ।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की मांग

## भाजपा नेता की झारखंड में NRC लागू करने की मांग

(संपूर्ण समाचार सेवा)नई दिल्ली, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठियों और साइबर अपराध का मुद्दा सोमवार को लोकसभा में उठाते हुए कहा कि असम की तर्ज पर झारखंड में भी राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करना चाहिए ताकि अवैद्य रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों चिन्हित करके वापस भेजा सके । दुबे ने शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाया और कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा पिछले २० से २५ वर्षो से उठाया जा रहा है लेकिन कुछ ठोस कदम नहीं उठाया गया । झारखंड के गौड्डा से लोकसभा समदस्य ने कहा कि झारखंड के कुछ इलाके साइबर अपराध का केंद्र बन गए हैं और देश में जहां कही भी साइबर अपराध की घटनाएं होती हैं, उसके तार वहीं से जुड़ते हैं । उन्होंने कहा कि सरकार को असम की तर्ज पर झारखंड में भी एनआरसी लागू करना चाहिए ताकि बांग्लादेशी घुसपैठियों कों चिन्हित करके उनके देश वापस भेजा जा सके ।

पहले महेंद्र यादव-किशन खोखरने भी सरेंडर किया

## १९८४ दंगा : सज्जन कुमार ने भी आखिर किया सरेंडर

**उम्रकैद की सजा पाए पूर्व कांग्रेसी नेता सज्जन कुमार ने आज दिल्ली के कड़कड़डूमा कोर्ट में सरेंडर कर दिया**

(संपूर्ण समाचार सेवा)नई दिल्ली, १९८४ में हुए सिख विरोधी दंगों के मामले में उम्रकैद की सजा पाए पूर्व कांग्रेसी नेता सज्जन कुमार ने आज दिल्ली के कड़कड़डूमा कोर्ट में सरेंडर कर दिया । कोर्ट ने उन्हें पूर्वी दिल्ली स्थित मंडोली जेल भेजने का आदेश दिया है । सज्जन से पहले २ दोषियों महेंद्र यादव और किशन खोखर ने भी सरेंडर किया । कोर्ट ने महेंद्र यादव को अपनी टहलने की छड़ी और चश्मों को जेल ले जाने की इजाजत दे दी । यादव और खोखर को १०-१० साल की सजा हुई है । १७ सितंबर को दिल्ली हाई कोर्ट ने सज्जन कुमार को दिल्ली केंद्र इलाके में ५ सिखों की हत्या के लिए दोषी ठहराया था । हाई कोर्ट ने कुमार के आत्मसमर्पण करने के लिए ३१ दिसंबर तक की समयसीमा निर्धारित की थी । उन्होंने मेट्रोपोलिटन मैजिस्ट्रेट अदित गर्ग के समक्ष आत्मसमर्पण किया । कोर्ट ने उन्हें पूर्वी दिल्ली स्थित मंडोली जेल भेजने का आदेश दिया है । सज्जन से पहले २ दोषियों महेंद्र यादव और किशन खोखर ने भी सरेंडर किया । कोर्ट ने महेंद्र यादव को अपनी टहलने की छड़ी और चश्मों को जेल ले जाने की इजाजत दे दी । कोर्ट ने सज्जन कुमार की अदालत ने सज्जन कुमार की सुरक्षा संबंधी अनुरोध को स्वीकार किया । उन्हें एक अलग वाहन में जेल ले जाया गया । सज्जन ने कोर्ट से खुद को तिहाड़ जेल में रखने की गुजारिश की, लेकिन कोर्ट ने उनकी यह मांग ठुकरा दी ।

देवरिया जेल में पिटाई का मामला

## सीसीटीवी फुटेज हुए गायब, डेप्युटी जेलर समेत ४ सस्पेंड

**चारों के खिलाफ विभागीय जांच की संस्तुति की गई**

(संपूर्ण समाचार सेवा) लखनऊ, पूर्व सांसद अतीक अहमद की देवरिया जेल में गुंडई मामले में डेप्युटी जेलर देवकांत यादव समेत हेड वार्डर मुन्ना पांडेय, वार्डर राजेश कुमार शर्मा और रामआसरे को सस्पेंड कर दिया गया है । शासन स्तर से गठित की गई कमिटी ने इन लोगों को प्रथम दृष्टया दोषी पाया है । इतना ही नहीं जेल की सीसीटीवी फुटेज गायब होने पर चारों के खिलाफ विभागीय जांच की संस्तुति भी की गई है ।देवरिया जेल में बंद पूर्व सांसद अतीक अहमद के इशारे पर उनके गुर्गों ने आलमबाग के रियल एस्टेट कारोबारी मोहित जायसवाल को २६ दिसंबर को उनकी गाड़ी समेत घर से अगवा कर लिया । आरोप है कि मोहित को देवरिया जेल में ले जाकर बैरक में पीटा और कनपटी पर पिस्तौल सटाकर उनकी पांच कंपनियों का मालिकाना हक दो युवकों के नाम ट्रांसफर करवा लिया । इसके बाद जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया और गाड़ी भी छीन ली । कारोबारी शुक्रवार रात कृष्णानगर कोतवाली पहुंचा और अतीक अहमद, उनके बेटे उमर समेत १२ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई । मामला सामने आने के बाद शासन प्रशासन में हड़कंप मच गया । रविवार की रात साढ़े ८ बजे जिलाधिकारी अमित किशोर तथा पुलिस अधीक्षक एन कोलांची के नेतृत्व में बड़ी संख्या में अधिकारियों तथा ५०० सुरक्षाकर्मियों ने जेल में तलाशी अभियान चलाया । जेल में पीएसी तैनात की गई है । डीएम ने बताया कि छापेमारी के दौरान जेल के सीसीटीवी फुटेज मिटाये जाने की बात सामने आई थी । उसके बाद जांच के लिए अपर जिलाधिकारी राकेश पटेल के नेतृत्व में चार सदस्यीय समित गठित की गई थी । कमिटी ने अपनी रिपोर्ट सोमवार की दोपहर तक शासन को उपलब्ध करा दी । इस मामले में गठित की गई कमिटी ने प्रथम दृष्टया डेप्युटी जेलर देवकांत यादव समेत हेड वार्डर मुन्ना पांडेय, वार्डर राजेश कुमार शर्मा और रामआसरे को दोषी माना । कमिटी की रिपोर्ट मिलते ही शासन ने संस्तुति के आधार पर कार्रवाई की । शासन स्तर से गठित की गई कमिटी ने इन लोगों को प्रथम दृष्टया दोषी पाया है । इतना ही नहीं जेल की सीसीटीवी फुटेज गायब होने पर चारों के खिलाफ विभागीय जांच की संस्तुति भी की गई है ।देवरिया जेल में बंद पूर्व सांसद अतीक अहमद के इशारे पर उनके गुर्गों ने आलमबाग के रियल एस्टेट कारोबारी मोहित जायसवाल को २६ दिसंबर को उनकी गाड़ी समेत घर से अगवा कर लिया । आरोप है कि मोहित को देवरिया जेल में ले जाकर बैरक में पीटा और कनपटी पर पिस्तौल सटाकर उनकी पांच कंपनियों का मालिकाना हक दो युवकों के नाम ट्रांसफर करवा लिया । उसके बाद जांच के लिए अपर जिलाधिकारी राकेश पटेल के नेतृत्व में चार सदस्यीय समित गठित की गई थी । कमिटी ने अपनी रिपोर्ट सोमवार की दोपहर तक शासन को उपलब्ध करा दी । इस मामले में गठित की गई कमिटी ने प्रथम दृष्टया डेप्युटी जेलर देवकांत यादव समेत हेड वार्डर मुन्ना पांडेय, वार्डर राजेश कुमार शर्मा और रामआसरे को दोषी माना । कमिटी की रिपोर्ट मिलते ही शासन ने संस्तुति के आधार पर कार्रवाई की ।

## संपादकिय

# यौन शोषण के खिलाफ उठाने होंगे सख्त कदम

यौन शोषण एक सामाजिक रोग है, जिससे लड़ने के लिए समाज के हर वर्ग को एकजुट होना होगा। बच्चों को शुरू से ही इस संबंध में जागरूक करना होगा। इसके लिए स्कूलों में न्यूनतम सेक्स शिक्षा भी अनिवार्य करनी होगी।बच्चों को यौन शोषण से बचाने के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को पॉक्सो कानून 2012 (प्रटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेन्सेज एक्ट) में संशोधन को मंजूरी दे दी है। पॉक्सो संशोधन विधेयक इसी सत्र में संसद में पेश हो सकता है। इसमें बच्चों के आक्रामक यौन उत्पीड़न पर मौत की सजा का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा बाल यौन उत्पीड़न के अन्य अपराधों के लिए भी सजा सख्त करने का प्रस्ताव है। यौन शोषण पर एकाग्र लेख की बजाय बेतुकी बेस्वाद अधपकी खिचड़ी पढी पैसे के बदले यौन शोषण और बच्चे को जल्दी बड़ा यानी वयस्क करने के लिए हार्मोन या रसायन देना भी एग्रीवेटेड सेक्शुअल असॉल्ट माना जाएगा। व्यावसायिक उद्देश्य से बच्चों की पोर्नोग्राफी से संबंधित सामग्री एकत्रित करने पर न्यूनतम तीन साल की सजा का प्रावधान किया जा रहा है, जिससे ये धारा गैर जमानती अपराध की श्रेणी में आ जाएगी। पिछले कुछ समय में बच्चों के यौन उत्पीड़न के कई मामलों ने देश को हिलाकर रख दिया था, इसलिए बच्चों का उत्पीड़न करने वालों को सख्त सजा देने की मांग तेज हो गई थी। कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन के अनुसार प्रत्येक दिन भारत में 55 बच्चे दुष्कर्म का शिकार हो रहे हैं जबकि हजारों मामले सामने नहीं आ पाते हैं। आज बच्चे न घर में सुरक्षित हैं, न स्कूल में और न ही बाहर। एक अनुमान है कि हर 4 में से एक लड़की और 6 में से एक लड़का 18 वर्ष का होने से पहले यौन हिंसा का शिकार होता है। बच्चों के साथ दुर्व्यवहार करने वाले 90 फीसदी लोग परिवार के या फिर जानकार होते हैं। यही नहीं हर छह मिनट में देश के किसी कोने से एक बच्चा गायब हो जाता है। मुश्किल यह है कि अधिकतर बच्चे अपने साथ हुए दुष्कर्म को समझ ही नहीं पाते और अंदर ही अंदर घुटते रहते हैं। कई बच्चे डर के मारे यह बात किसी को नहीं बताते और परेशान रहते हैं। यह बात सामने आने पर परिवार भी इसे दबाने की कोशिश करता है खासकर ऐसे मामले में जिसमें परिवार का कोई व्यक्ति ही शामिल रहता है। यही वजह है कि अधिकतर दोषी बच निकलते हैं।

बाल यौन दुर्व्यवहार के जो मुकदमे दर्ज भी किए जाते हैं उन्हें निपटाने में वर्षों लग जाते हैं। इसलिए इस मामले में सजा सख्त करने भर से कुछ नहीं होने वाला। कोशिश यह होनी चाहिए कि इन मामलों में सजा दिए जाने की दर बढ़े। समाज में बढ़ती आपसी दूरी भी इसका एक कारण है। पहले मोहल्ले में हर कोई एक–दूसरे को जान रहा होता था। अब यही नहीं पता रहता कि पड़ोस में कौन है। ऐसे में अपराधी का बच निकलना आसान होता है। यह एक सामाजिक रोग है, जिससे लड़ने के लिए समाज के हर वर्ग को एकजुट होना होगा। बच्चों को शुरू से ही इस संबंध में जागरूक करना होगा। इसके लिए स्कूलों में न्यूनतम सेक्स शिक्षा भी अनिवार्य करनी होगी।

# दोनों तरफ गांठें

(जी.एन.एस.), मंगलवार को बीजेपी की सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) के नेता चिराग पासवान ने एक तरह से चेतावनी दे डाली है कि अगर समय रहते सीट बंटवारे पर बात नहीं बनी तो गठबंधन को नुकसान हो सकता है। लोकसभा चुनाव में अभी थोड़ा वक्त है लेकिन राजनीतिक दलों की तैयारी शुरू हो चुकी है। क्षेत्रीय दलों में खास तौर से अकुलाहट है और वे अपनी पोजिशनिंग में जुट गए हैं। देश के दोनों प्रमुख सियासी गठबंधनों में साफ दिख रही तनातनी का मुख्य कारण यही है। बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए में उथल–पुथल ज्यादा है। मंगलवार को उसकी सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) के नेता चिराग पासवान ने एक तरह से चेतावनी ही दे डाली कि अगर समय रहते सीट बंटवारे पर बात नहीं बनी तो गठबंधन को नुकसान हो सकता है। गौरतलब है कि एनडीए की सहयोगी राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (आरएलएसपी) गठबंधन से पहले ही निकल चुकी है और उसके नेता उपेंद्र कुशवाहा यूपीए में शामिल होने का संकेत दे चुके हैं। शिवसेना तो सालों से अलग राग अलापती आ रही है। मंगलवार को मुंबई में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का बहिष्कार कर उसने एक बार फिर अपनी नाराजगी दिखाई। बिहार में सीट बंटवारे को लेकर असल पेच फंसा हुआ है। लोकसभा चुनाव में अभी थोड़ा वक्त है लेकिन राजनीतिक दलों की तैयारी शुरू हो चुकी है। क्षेत्रीय दलों में खास तौर से अकुलाहट है और वे अपनी पोजिशनिंग में जुट गए हैं। देश के दोनों प्रमुख सियासी गठबंधनों में साफ दिख रही तनातनी का मुख्य कारण यही है। बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए में उथल–पुथल ज्यादा है।बीजेपी अपनी सबसे बड़ी सहयोगी पार्टी जेडीयू को नाराज नहीं करना चाहती लेकिन इस चक्कर में छोटे पार्टनर परेशान हो गए हैं। हाल के विधानसभा चुनावों में बीजेपी की हार के बाद वे मुखर हुए हैं और कड़ी सौदेबाजी करना चाहते हैं। लेकिन रही बात विपक्ष की तो कांग्रेस के तीन राज्यों में सरकार बना लेने के बाद भी सभी विपक्षी दल उसका नेतृत्व स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। इससे मोदी करिश्मे के खिलाफ एक मजबूत विपक्षी गठजोड़ उभरने की संभावना कमजोर पड़ी है। राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत के शपथ ग्रहण समारोह से दूरी बनाकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की सुप्रीमो मायावती ने संकेत दे दिया था कि वे कांग्रेस से दूरी बनाकर चलेंगे और बीजेपी के खिलाफ सभी विपक्षी दलों का एक महागठबंधन बनाने के प्रॉजेक्ट का हिस्सा नहीं बनेंगे। कहा जा रहा है कि इन दोनों ने कांग्रेस को किनारे रखकर यूपी के लिए आपस में गठबंधन भी कर लिया है। बीएसपी 39 और एसपी 37 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। लोकसभा चुनाव में अभी थोड़ा वक्त है लेकिन राजनीतिक दलों की तैयारी शुरू हो चुकी है। क्षेत्रीय दलों में खास तौर से अकुलाहट है और वे अपनी पोजिशनिंग में जुट गए हैं। अजित सिंह की आरएलडी को 2 सीटें दी जा सकती हैं, जबकि कांग्रेस के लिए रायबरेली और अमेठी की सीटें छोड़ दी जाएंगी। अखिलेश यादव ने प्रधानमंत्री पद के लिए राहुल गांधी की उम्मीदवारी से भी असहमति जताई है। उन्होंने कहा कि निजी तौर पर कोई राहुल को पीएम कैंडिडेट कह सकता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि यह गठबंधन की भी राय है। यही स्टैंड वामपंथी दलों का भी है, और उनकी चिर प्रतिद्वंद्वी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का भी। देखना है, बीजेपी और कांग्रेस किस हद तक अपने सहयोगियों को एकजुट कर पाती हैं।

# सिख श्रद्धालुओं के लिए बड़े राहत की बात

(जी.एन.एस.), पाकिस्तान ने करतारपुर साहिब गलियारा खोलने का फैसला लिया है। यह सिख श्रद्धालुओं के लिए बड़े राहत की बात है। गुरु नानक देव जी की 550 वीं जयंती के मद्देनजर भारत के सिख श्रद्धालुओं के लिए करतारपुर साहिब गलियारा खोलने का पाकिस्तान का फैसला बहुत बड़ी राहत है। न केवल पिछले 70 साल से इस फैसले का इंतजार कर रहे सिख श्रद्धालु इस फैसले से गदगद हैं बल्कि भारत–पाकिस्तान के ठंडे पड़ते रिश्तों में भी इससे नई गरमाहट आ सकती है। करतारपुर साहिब सिखों के सबसे पवित्र तीर्थस्थलों में शुमार होता है।

यह स्थान भारतीय सीमा से करीब चार किलोमीटर दूर है और इतनी सी दूरी के चलते भारतीय सिखों को दूरबीन से अपने इस पवित्र गुरुद्वारा साहिब के दर्शन करके संतोष करना पड़ता था। दोनों देशों में बनी नई सहमति के अनुसार भारत सरकार गुरदासपुर जिला स्थित डेरा बाबा नानक से अंतरराष्ट्रीय सीमा तक कॉरिडोर का निर्माण करेगी और पाकिस्तान सरकार सरहद से करतारपुर साहिब तक। श्रद्धालुओं को सीमा पर स्लिप दी जाएगी, जिसके आधार पर वे करतारपुर साहिब तक आसानी से पहुंचेंगे और दर्शन करके शाम तक वापस लौट आएंगे। इस फैसले ने बताया है कि संबंधों के बुरे दौर में भी सौहार्द बनाने वाले कुछेक कदमों के जरिए माहौल को मैत्रीपूर्ण बनाया जा सकता है। कूटनीति की तुला में क्या उक्त कदम कट्टर सिक्ख समुदाय को आकर्षित करने में सफल होगा ? ? अच्छा हो की इमरान ख़ान कटासराज तक्षशिला न सही पर पकी कब्जे में कश्मीर में करतारपुर से कोई सभी पिछले कुछ वर्षों से भारत–पाकिस्तान संबंधों में सुधार के सारे उपाय नाकाम होते दिखे। जब भी कोई पहल होती, आतंकवाद से जुड़ी कोई न कोई ऐसी घटना होती जो उस पहल को बेअसर कर देती। आखिर भारत ने यह स्टैंड ले लिया कि आतंकवाद और बातचीत साथ–साथ नहीं चल सकते। दूसरी तरफ पाकिस्तान ऐसा कोई कदम नहीं उठा सका जिससे यह लगे कि वहां आतंकवाद की नकेल कसी जा रही है। स्वाभाविक रूप से नए प्रधानमंत्री इमरान खान का बातचीत का प्रस्ताव कारगर नहीं साबित हुआ। लेकिन औपचारिक बातचीत न करते हुए भी दोनों पक्षों ने करतारपुर साहिब संबंधी प्रस्ताव को आगे बढ़ाया और पाकिस्तान ने इस पर उपयुक्त फैसला किया, जो बताता है कि संबंधों में सुधार की इच्छा दोनों तरफ कायम है। हालांकि दोनों ही तरफ संबंधों को बिगाड़ने की इच्छा रखने वाले तत्व भी बड़ी संख्या में हैं। वक्त की जरूरत यह है कि दोनों देशों में माहौल बिगाड़ने वालों की साजिशों को समझा जाए और इन साजिशों को हर हाल में नाकाम करने का संकल्प कमजोर न पड़ने दिया जाए। इसका एक अच्छा तरीका यह हो सकता है कि दोनों देशों के मैत्रीपूर्ण संबंधों में आम लोगों की अधिकाधिक दिलचस्पी पैदा की जाए। यानी पीपल टु पीपल कंटैक्ट बढ़ाने पर ज्यादा से ज्यादा जोर दिया जाए। व्यापार को अधिक से अधिक बढ़ाने के उपाय किए जाएं। ये सब होगा तो आतंकी और विघ्नकारी तत्व अपने आप हाशिये पर पहुंचते जाएंगे और कभी इक्का–दुक्का भड़काने वाली घटनाएं हो भी गईं तो उनका आम लोगों की भावनाओं पर ज्यादा असर नहीं होगा।

# सियासी संकट भारत के लिए चिंता का विषय

(जी.एन.एस.),श्रीलंका का सियासी संकट भारत के लिए चिंता का विषय है। दक्षिण एशिया में सामरिक लिहाज से श्रीलंका हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। वहां जो राजनीतिक अस्थिरता पैदा हुई है, वह हमारे आपसी संबंधों और श्रीलंका में हमारे हितों को प्रभावित कर सकती है। शुक्रवार को एक नाटकीय घटनाक्रम में श्रीलंका के राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरीसेना ने प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे को बर्खास्त कर पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे को प्रधानमंत्री पद की शपथ दिला दी। भारत को खुद ही इतना मजबूत होना होगा की कोई देश कोई भी चाल चले या किसी की ऑर भी जुके अन्तह्ह उसे भारत के सामने घुटने टेकना ही पड़े फिर वह चाहे लंका हो या नेपाल!–सुभाष बुड़ावन वाला इसके पहले सिरिसेना की पार्टी ने विक्रमसिंघे के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार से समर्थन वापस ले लिया। हालांकि विक्रमसिंघे ने खुद को हटाए जाने को गैरकानूनी बताया है और कहा है कि वह इस फैसले को कोर्ट में चुनौती देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह पीएम के रूप में काम करते रहेंगे। राजनीतिक विशेषज्ञों ने सिरिसेना के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा है कि संविधान के 19वें संशोधन के मुताबिक बहुमत मिले बिना वह विक्रमसिंघे को पद से नहीं हटा सकते। सचाई यह है कि पिछले कुछ हफ्तों से श्रीलंका के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के बीच तनातनी चल रही थी और झगड़े का एक बड़ा कारण भारतीय निवेश रहा है। कुछ ही दिन पहले कैबिनेट बैठक में ईस्ट कंटेनर कोस्ट को लेकर विवाद हुआ। प्रधानमंत्री इसे विकसित करने के प्रॉजेक्ट में भारतीय निवेश के पक्षधर हैं जबकि प्रेजिडेंट को यह मंजूर नहीं। राष्ट्रपति का भारत विरोधी रवैया तब और ज्यादा उग्र रूप में सामने आया जब उन्होंने भारत की खुफिया एजेंसी 'रॉ' पर अपनी हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया, हालांकि बाद में वह साफ मुकर गए। इसके कुछ दिनों बाद रानिल विक्रमसिंघे अपने देश की विभिन्न परियोजनाओं पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत के लिए दिल्ली आए थे। लगा कि भारत को लेकर वहां सब कुछ ठीक हो रहा है, लेकिन शुक्रवार की घटना ने जाहिर कर दिया कि राष्ट्रपति का मन–मिजाज बदला नहीं है। भारत को खुद ही इतना मजबूत होना होगा की कोई देश कोई भी चाल चले या किसी की ऑर भी जुके अन्तह्ह उसे भारत के सामने घुटने टेकना ही पड़े फिर वह चाहे लंका हो या नेपाल!–सुभाष बुड़ावन वाला इसके पहले सिरिसेना की पार्टी ने विक्रमसिंघे के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार से समर्थन वापस ले लिया। संभव है वे किसी बाहरी शक्ति के हाथों में खेल रहे हों। भारत को खुद ही इतना मजबूत होना होगा की कोई देश कोई भी चाल चले या किसी की ऑर भी जुके अन्तह्ह उसे भारत के सामने घुटने टेकना ही पड़े फिर वह चाहे लंका हो या नेपाल!–सुभाष बुड़ावन वाला इसके पहले सिरिसेना की पार्टी ने विक्रमसिंघे के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार से समर्थन वापस ले लिया। हालांकि विक्रमसिंघे ने खुद को हटाए जाने को गैरकानूनी बताया है और कहा है कि वह इस फैसले को कोर्ट में चुनौती देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह पीएम के रूप में काम करते रहेंगे। राजनीतिक विशेषज्ञों ने सिरिसेना के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा है कि संविधान के 19वें संशोधन के मुताबिक बहुमत मिले बिना वह विक्रमसिंघे को पद से नहीं हटा सकते। सचाई यह है कि पिछले कुछ हफ्तों से श्रीलंका के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के बीच तनातनी चल रही थी और झगड़े का एक बड़ा कारण भारतीय निवेश रहा है।आखिर अचानक अपने विरोधी राजपक्षे से हाथ मिलाने का क्या मतलब हो सकता है! याद रहे वर्ष 2015 में राजपक्षे को सत्ता से बेदखल करने के लिए सिरीसेना और विक्रमसिंघे ने आपस में समझौता किया था। बहरहाल अब एक बार फिर चीन समर्थक माने जाने वाले राजपक्षे की सत्ता में वापसी से हमारे लिए नई मुसीबतें खड़ी हो सकती हैं। भारत यह कैसे भूल सकता है कि इन्हीं राजपक्षे ने सामरिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण हंबनटोटा बंदरगाह चीन को कई वर्षों की लीज पर दे दिया था और चीनी पनडुब्बियों को श्रीलंका के बंदरगाह तक आने की अनुमति दे दी थी। अभी वहां भारत की कई नई परियोजनाएं शुरू होने वाली हैं। हाल में भारतीय कंपनियों को वहां हाउसिंग प्रॉजेक्ट मिला है, जो पहले चीनी कंपनियों के पास था। निश्चय ही हमारे रणनीतिक हित दांव पर लगे हैं। ऐसे में श्रीलंका की घटनाओं को लेकर बेहद सतर्क रहने की जरूरत है।

# करतारपुर के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच एक सुरक्षित कॉरिडोर

(जी.एन.एस.),आतंकवाद को औजार बनाने वाले लोग उंगलियों पर गिने जाने लायक हैं, लेकिन सांस्कृतिक आदान–प्रदान बनाए रखने की सोच वाले लोगों की तादाद करोड़ों में नहीं तो लाखों में जरूर है। करतारपुर साहिब कॉरिडोर इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।श्री करतारपुर साहिब के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच एक सुरक्षित कॉरिडोर की नींव दोनों तरफ रख दी गई। सोमवार को पंजाब के गुरदासपुर जिले के मान गांव में उपराष्ट्रपति वैंकेया नायडू और सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह ने इसका शिलान्यास किया, जबकि बुधवार को पाकिस्तान में इसकी बुनियाद प्रधानमंत्री इमरान खान ने रखी। इस अवसर पर भारत से केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी और हरसिमरत कौर के साथ–साथ पंजाब के कैबिनेट मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू भी वहां मौजूद थे। इस गलियारे के निर्माण को लेकर भारतीय राजनीतिक वर्ग के रवैये से पंजाब के श्रद्धालुओं के साथ–साथ उन लोगों का उत्साह भी थोड़ा फीका पड़ा, जो दोनों मुल्कों के बीच बेहतर रिश्तों के हिमायती हैं। कम से कम इस मौके को कूटनीति से परे रखा जा सकता था। सोमवार को शिलान्यास समारोह में पंजाब के सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पाक आर्मी चीफ कमर जावेद बाजवा को भारतीय जवानों की मौत के लिए जवाबदेह ठहराया। उन्होंने कहा कि बाजवा भारतीय जवानों पर हमले करवा कर बुजदिली दिखा रहे हैं। उपराष्ट्रपति ने भी आतंकवाद का मुद्दा उठाया। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने कहा कि कॉरिडोर निर्माण का अर्थ यह नहीं है कि पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय वार्ता शुरू हो जाएगी। ऐसा लगा जैसे भारतीय राजनेता अपने स्तर पर सफाई दो रहे हों कि कॉरिडोर से जोड़कर उनके प्रति कोई धारणा न बनाई जाए। क्या यह देश में चल रहे असेंबली चुनावों का दबाव है ? सचाई यह है कि जनता को कोई गलतफहमी नहीं है। पाकिस्तान के रवैये को वह भी देख रही है और यह मानकर चल रही है कि दोनों देशों के रिश्ते सुधारने के लिए यह सही वक्त नहीं है। इस अवसर पर भारत से केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी और हरसिमरत कौर के साथ–साथ पंजाब के कैबिनेट मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू भी वहां मौजूद थे। इस गलियारे के निर्माण को लेकर भारतीय राजनीतिक वर्ग के रवैये से पंजाब के श्रद्धालुओं के साथ–साथ उन लोगों का उत्साह भी थोड़ा फीका पड़ा, जो दोनों मुल्कों के बीच बेहतर रिश्तों के हिमायती हैं। कम से कम इस मौके को कूटनीति से परे रखा जा सकता था। सोमवार को शिलान्यास समारोह में पंजाब के सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पाक आर्मी चीफ कमर जावेद बाजवा को भारतीय जवानों की मौत के लिए जवाबदेह ठहराया। उन्होंने कहा कि बाजवा भारतीय जवानों पर हमले करवा कर बुजदिली दिखा रहे हैं। उपराष्ट्रपति ने भी आतंकवाद का मुद्दा उठाया। लेकिन भारत के लोग, खासकर सीमा पर रहने वाले लोग यह भी चाहते हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच जनता के स्तर पर संपर्क जारी रहे। यह भावना दोनों तरफ है।

आतंकवाद को औजार बनाने वाले लोग उंगलियों पर गिने जाने लायक हैं, लेकिन सांस्कृतिक आदान–प्रदान बनाए रखने की सोच वाले लोगों की तादाद करोड़ों में नहीं तो लाखों में जरूर है। करतारपुर साहिब कॉरिडोर इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर कड़वाहट भरी बातें इस प्रॉजेक्ट की सफलता को लेकर आशंकाएं पैदा करती हैं। मुमकिन है, पाकिस्तान ने ब्रिटेन और कनाडा के कुछ सिखों के बीच सिर उठा रहे खालिस्तानी स्वर को भांपकर उसे हवा देने के लिए ही इस कॉरिडोर पर मोहर लगाई हो। पाकिस्तान में कॉरिडोर की नींव रखे जाने के मौके पर खालिस्तान समर्थक गोपाल चावला की मौजदूगी से इस संदेह को बल मिलता है। बावजूद इसके, हमारा संयम ही हमारी शक्ति है। सार्क के लिए पाक आमंत्रण को ठुकराकर भारत ने अपना कूटनीतिक स्टैंड स्पष्ट कर दिया है। लेकिन कॉरिडोर जैसी 'पीपल टू पीपल' परियोजनाओं पर हमारा रवैया सकारात्मक ही होना चाहिए।

# एमएसएमई का हाल सुधरा तो रोजगार के मोर्चे पर खुशहाली दिखेगी

(जी.एन.एस.),प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले हफ्ते सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) के लिए जिस धमाकेदार दिवाली तोहफे का ऐलान किया, उसके साथ यह राहत का भाव जुड़ा है कि अर्से बाद सरकार छोटे कारोबारियों की फिक्र करती नजर आई है। आज भी भारत में सबसे ज्यादा नौकरियां इसी सेक्टर में मिलती हैं, लिहाजा एमएसएमई का हाल सुधरेगा तो रोजगार के मोर्चे पर भी खुशहाली दिखेगी। इस गलियारे के निर्माण को लेकर भारतीय राजनीतिक वर्ग के रवैये से पंजाब के श्रद्धालुओं के साथ–साथ उन लोगों का उत्साह भी थोड़ा फीका पड़ा, जो दोनों मुल्कों के बीच बेहतर रिश्तों के हिमायती हैं। कम से कम इस मौके को कूटनीति से परे रखा जा सकता था। लेकिन सवाल यही है कि सरकार की इस चिंता का क्या सचमुच कुछ फायदा इस सेक्टर को मिल पाएगा ? प्रधानमंत्री की घोषणाएं पहली नजर में आकर्षक लगती हैं। सारी समस्या की जड तो देश की अपनी बौद्धिक संपदा के विकास या आयत की जगह उसका यांनी लेटेंटों का घोर अभाव है मसलन हम अभी तक कप्यूटर की छिप का भी निर्माण तक नहीं कर पाये है!!छोटे कारोबा आईएल एंड एफएस के संकट में पड़ने के बाद

एनबीएफसी (नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनीज) फंडिंग का स्रोत सूखने का बुरा असर एमएसएमई यूनिटों पर पड़ा है। उनके लिए फंड हासिल करना बहुत मुश्किल हो गया है। ऐसे में एक करोड़ तक के लोन 59 मिनट में दिलवाने का प्रधानमंत्री का आश्वासन काफी मायने रखता है। सरकारी खरीद में 20 फीसदी के बजाय 25 फीसदी हिस्सा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों लिए आरक्षित किया जाना और जीएसटी भरने वाली एमएसएमई यूनिटों को टैक्स में 2 फीसदी तक की छूट भी मायने रखती है। लेकिन क्या ये घोषणाएं इस संकटग्रस्त सेक्टर के लिए संजीवनी का काम कर पाएंगी ? जिस सबसे बड़ी चुनौती से छोटे कारोबारी जूझ रहे हैं, वह यह है कि बाजार में उनका माल नहीं निकल रहा है। बड़े उद्योगों और बड़ी पूंजी ने खुले बाजार और खुली होड़ का फायदा उठाकर इन्हें मैदान से बाहर कर दिया है। यह पूरा सेक्टर अभी या तो सरकारी खरीद के सहारे टिका है (जो दिनोंदिन कम होती जा रही है), या फिर बड़ी कंपनियों की सब्सिडियरी जरूरतें पूरी कर रहा है। इन बड़ी कंपनियों को जब भी बाजार में अपने माल की खपत डगमगाती दिखती है, सबसे पहले वे सबसिडियरी कंपनियों के ऑर्डर रोकती हैं और उनका भुगतान टाल देती हैं। ऐसे में आसानी से लोन मिल भी जाए तो क्या कोई छोटा–मंझोला कारोबारी सिर्फ सरकारी खरीद के आश्वासन पर नई फैक्टरी डाल देगा ? हां, कोई महत्वाकांक्षी युवक ज्यादा छानबीन के बगैर एक करोड़ रुपये का लोन पा ले तो इससे अपने नाम पर लोन निकालने की इच्छा रखने वाले अन्य युवा जरूर प्रोत्साहित होंगे। मगर वे लोन लेने के बाद उसका करेंगे क्या, अगर बाजार में उनके प्रॉडक्ट के लिए लंबे समय की संभावनाएं ही नदारद हों ? ये कर्जे नए एनपीए की शक्ल लेकर बैंकों के गले का पत्थर न बन जाएं, इस पर भी सरकार को समय रहते सोच लेना चाहिए। सरकार की पहल अच्छी है, लेकिन इसके लिए बहुत देर हो चुकी है। पांच विधानसभा चुनावों के साथ ही देश में आम चुनाव का माहौल बनना शुरू हो गया है। नोटबंदी और जीएसटी के बाद विशेष रूप से गड्ढे में गए एमएसएमई सेक्टर के पुनर्जीवन के लिए जिस सुचिंतित प्रयास की जरूरत है, वह इतनी हड़बड़ी में शायद ही हो पाए।

## पति-पत्नी, पुत्र के लिए वर्ष का अंतिम दिन बना

# जंबुसर से भरूच जा रही मीनी बस की टक्कर से परिवार की मौत

### भीषण दुर्घटना में घायल बेटा अस्पताल में उपचार के तहत : पादरा और वडु क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई

(संपूर्ण समाचार सेवा) अहमदाबाद, भरूच के दयादरा गांव के निकट रौंग साइड पर एकदम स्पीड से आ रही मीनी लक्जरी बस के चालक ने अपना वाहन एकदम स्पीड में चलाकर बाइक पर रहे पति-पत्नी और दो बेटों को टक्कर मारने से पूरा परिवार बाइक पर से गिर गया और इस भीषण दुर्घटना में पति-पत्नी और पुत्र की मौत हो गई थी, जबकि बच गये और चोटिल हुए अन्य पुत्र को उपचार के लिए निकट के अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, मीनी बस के चालक की गंभीर लापरवाही की वजह से पादरा का एक निर्दोष परिवार की मौत हो गई थी और पति-पत्नी और पुत्र के लिए वर्ष का अंतिम दिन बन गया। घटना की वजह से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, पादरा के वडु के यासीन अल्लारखा दिवान (उम्र.३०) भरूच के शेरपुरा स्थित अपनी ससुराल में पत्नी फायजा यासीन दिवान (उम्र.२४), महंमद फैयाज यासीन दिवान (उम्र.६) और फजल यासीन दिवान (उम्र.२) को लेकर बाइक पर गये थे। सोमवार को सुबह में वह बाइक लेकर वडु अपने घर वापस आ रहे थे। अब कंथारीया गांव के नाला के पास जाते समय जंबुसर की तरफ से आ रही मीनी बस के चालक ने उनकी बाइक को जोरदरा टक्कर मार दी। जिसकी वजह से दो पुत्रों के साथ बाइक पर जा रहे पत्नी गिर गई थी। दुर्घटना में चारों को गंभीर चोटें आने से यासीन और उनके पुत्र महंमद फैयाज घटनास्थल पर मौत हो गई थी। पटेल वेलफेयर अस्पताल में उपचार के दौरान फायजा दिवान की मौत हो गई थी। जबकि फजल उपचार के तहत है। तेजी से आ रही लक्जरी को देखकर यासीन ने बाइक रोक दिया था। फिर भी बस की स्पीड इतनी थी कि, बाइक को टक्कर लगने से रोड की साइड के गड्ढे में चली गई थी। दुर्घटना की वजह से जंबुसर - भरूच स्टेट हाईवे पर ट्राफिकजाम हो गया था। दूसरी तरफ, निर्दोष परिवार दुर्घटना में मौत हो जाने से पादरा और वडु क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई।

## हर साल सलमान बर्थडे पर शानदार पार्टी देते हैं

# सलमान खान की बर्थडे पार्टी में चुपके से पहुंचे शाहरुख खान

(संपूर्ण समाचार सेवा)मुंबई, हर साल सलमान खान अपनी बर्थडे पर शानदार पार्टी देते हैं जिसमें बॉलिवुड और उनके परिवार के लोग पहुंचते हैं। इस साल भी २७ दिसंबर को सलमान ने अपने पनवेल फार्म हाउस पर पार्टी दी थी लेकिन इस बार इस पार्टी से शाहरुख खान नदारद थे। ऐसा माना ही नहीं जा सकता है कि सलमान खान के इतने जरूरी दिन शाहरुख मौजूद न हों। सभी को चौंकाते हुए शाहरुख सलमान की पार्टी में काफी लेट नाइट आए थे। सलमान की पार्टी काफी लेट नाइट तक चली थी। हमें सलमान की पार्टी में प्ले करने वाले डीजे विली की एक तस्वीर मे शाहरुख मौजूद है। विली ने स्टार्स के साथ अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की है। बता दें कि सलमान की इस पार्टी में उनके परिवार के सभी लोगों के अलावा कटरीना कैफ, जैकलिन फर्नान्डिस, दिया मिर्जा, मौनी रॉय, सोनाक्षी सिन्हा और सुष्मिता सेन जैसे सभी बड़े सितारे मौजूद थे।सभी को चौंकाते हुए शाहरुख सलमान की पार्टी में काफी लेट नाइट आए थे। सलमान की पार्टी काफी लेट नाइट तक चली थी। हमें सलमान की पार्टी में प्ले करने वाले डीजे विली की एक तस्वीर मे शाहरुख मौजूद है। विली ने स्टार्स के साथ अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की है। वर्क फ्रंट की बात करें तो सलमान इस समय अपनी अगली फिल्म भारत की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ कटरीना कैफ, तब्बू, दिशा पाटनी और सुनील ग्रोवर दिखाई देंगे।

**सभी को चौंकाते शाहरुख सलमान की पार्टी में काफी लेट नाइट आए थे : पार्टी काफी लेट नाइट तक चली**

## फिल्म ने पद्मावत को भी पीछे छोड़ दिया है

# ३ दिन में रणवीर और सारा की 'सिंबा' १०० करोड़ पार

(संपूर्ण समाचार सेवा)मुंबई, निर्देशक रोहित शेट्टी की ऐकशन फिल्म 'सिंबा' बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्म कर रही, जिसमें रणवीर सिंह और सारा अली खान लीड रोल में हैं। 'सिंबा' दुनिया भर में कमाई का १०० करोड़ का आकड़ा पार कर चुकी है। साल २०१८ के अंत में रिलीज हुई ररणवीर की यह फिल्म अब तक सबसे शानदार ओपनिंग वाली फिल्म बताई जा रही हैं, जिसने पद्मावत को भी पीछे छोड़ दिया है। इतना ही नहीं, विदेशों में रिलीज होनेवाली इस साल की बॉलिवुड फिल्मों की बात करें तो यह फिल्म पांचवी बेस्ट ओपनर फिल्म साबित हुई है और यह १३१ करोड़ की कमाई कर चुकी है। पद्मावत के बाद रणवीर की यह दूसरी फिल्म है, जिसने केवल तीन दिनों में दुनिया भर में कमाई १०० करोड़ से ज्यादा कर ली है। ऑस्ट्रेलिया और गल्फ रीजन में फिल्म बेहतरीन परफॉर्म कर रही है। रोहित शेट्टी की यह फिल्म सिंघम फ्रैंचाइजी की फिल्म है, जिसमें रणवीर पहले तो एक भ्रष्ट पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आते हैं, लेकिन कहानी कुछ ऐसे पटलती हैं कि बाद में वह न्याय की लड़ाई लड़ते दिखथे हैं। फिल्म में सारा रणवीर के साथ रोमांस करती नजर आ रही हैं। फिल्म की कहानी तो वही पुरानी है कि एक भ्रष्ट पुलिस अफसर अपने साथ होनेवाली ट्रैजिडी के बाद ईमानदार पुलिस अफसर में तब्दील हो कर अपने पुराने पाप धोना चाहते हैं। अनाथ सिंबा उर्फ संग्राम भालेराव ने बचपवन में ही सीख लिया था कि पैसे कमाने के लिए पावर की जरूरत होती है और इसीलिए वह पुलिस अफसर बनने का रास्ता चुनता है। नाइट स्कूल में पढ़-लिखकर वह एक ऐसा पुलिस वाला बन जाता है, जो बेईमानी भी पूरी ईमानदारी से करता है।

**साल २०१८ के अंत में रिलीज हुई ररणवीर की यह फिल्म अब तक सबसे शानदार ओपनिंग वाली फिल्म**

## गुजरात सरकार द्वारा एक और महत्व का निर्णय

# स्कूल में उपस्थिति के समय जयहिन्द बोलना पड़ेगा

### उपस्थिति के समय स्कूलों में विद्यार्थियों को जयहिन्द या जय भारत बोलने की प्रथा का नया प्रयोग किया जाएगा

(संपूर्ण समाचार सेवा) अहमदाबाद, गुजरात राज्य में विशेष करके प्राथमिक शिक्षा में क्वॉलिटी सुधारने के लिए सरकार द्वारा बारबार नये-नये प्रयोग किए जा रहे है। जिसमें प्रवेशोत्सव से लेकर गुणोत्सव के साथ विभिन्न कला सिखाने की तालीम देने का आयोजन किया जा रहा है अब देशभक्ति के पाठ सिखाने के लिए हरएक स्कूलों में विद्यार्थियों की हाजरी भरते समय प्रेजेन्ट सर या यस सर के बदले में जयहिन्द या जय भारत बोलने होगा। गुजरात सरकार द्वारा स्कूलों में विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम की भावना बढ़े इस उद्देश्य से यह नया प्रयोग लागू किया जाएगा।गुजरात में सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर ऊंचा लाने के लिए राज्य सरकार द्वारा कई वर्षों से कई प्रयोग किए जा रहे है। जिसमें गुणोत्सव के साथ विभिन्न कला सिखाने की तालीम बाद अब देशप्रेम की भावना पैदा करने के लिए राजस्थान का प्रयोग लागू किया जाएगा। हालांकि वर्षों पहले से गुजरात राज्य की कई स्कूलों में भी यह प्रथा चल रही है। राज्य की हरएक स्कूलों में शिक्षक द्वारा पूरी जाती हाजरी में विद्यार्थी प्रेजन्ट सर या यस सर बोलते है। इसके बदले में अब बच्चों में देशप्रेम की भावना पैदा करने के लिए विद्यार्थी को जयभारत या जयहिन्द बोलने का आयोजन सरकार द्वारा शुरू किया गया है। राज्य के शिक्षामंत्री भूपेन्द्रसिंह चुडासमा ने बताया है कि, विद्यार्थियों में देशभक्ति जागरूक करने के लिए एक श्रेष्ठ मार्ग होने से इसे लागू करने का विचार किया जा रहा है। हालांकि गुजरात राज्य में कई स्कूलों में यह प्रयोग वर्षों से चल रहा है। जबकि राजस्थान की हरएक स्कूलों में भी विद्यार्थियों की हाजरी पूरने में यह पद्धति चल रही है। हरएक स्कूल में शिक्षा के साथ मिलती वाणी, विचार और व्यवहार की बच्चे पर सीधी असर होती है। इसी वजह से छोटी बात से भी बचपन में ही देशप्रेम के पाठ सिखाने के लिए यह नई प्रथा कुछ ही दिनों में लागू किया जाएगा। सरकार स्कूलों में शिक्षा का स्तर ऊंचा लाने के लिए और विद्यार्थियों में अच्छे अंकों का विकास और सिंचन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

## गैर सब्सिडी वाले की कीमत १२० रुपये घटी

# सब्सिडी वाला एलपीजी सिलेंडर ५.९१ रुपये सस्ता

(संपूर्ण समाचार सेवा)नई दिल्ली, घरेलू रसोई गैस (LPG) सोमवार को ५.९१ रुपये सस्ता हो गया। ईधन की कीमतें कम होने की वजह से टैक्स पर असर से लगातार दूसरे महीने में एलपीजी सस्ता हुआ है। देश के सबसे बड़े फ्यूल रिटेलर इंडियन कॉर्पोरेशन (IOC) ने कहा कि १४.२ किलोग्राम के सब्सिडीयुक्त एलपीजी सिलेंडर की कीमत सोमवार आधी रात से दिल्ली में ४९४.९९ रुपये होगी, जो अब तक ५००.९० रुपये थी। एलपीजी सिलेंडर लगातार दूसरी बार सस्ता हुआ है। इससे पहले १ दिसंबर को सब्सिडी वाले सिलेंडर की कीमत ६.५२ रुपये कम हो गई थी। जून से लगातार छह महीनों तक रेट बढ़ने के बाद गिरावट दर्ज की गई थी। आईओसी ने कहा कि बिना सब्सिडी वाले या बाजार दर पर मिलने वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत १२०.५० रुपये कम हो गई है। कंपनी की ओर से कहा गया है कि अंतराष्ट्रीय स्तर पर कीमतों में कमी और डॉलर के मुकाबले रुपये में आई मजबूती की वजह से सिलेंडर सस्ता हुआ है। दिल्ली में १४.२ किलोग्राम के सिलेंडर की कीमत ६८९ रुपये होगी। १ दिसंबर को बिना सब्सिडी वाला सिलेंडर १३३ रुपये सस्ता हुआ था। गौरतलब है कि सभी ग्राहकों को सिलेंडर बाजार मूल्य पर ही लेना होता है। हालांकि, सरकार हर परिवार को हर साल १४.२ किलोग्राम के १२ सिलेंडर पर सब्सिडी देती है, जो सीधे उनके अकाउंट में ट्रांसफर कर दी जाती है।

**१४.२ किलो के सब्सिडीयुक्त एलपीजी सिलेंडर की कीमत सोमवार आधी रात से दिल्ली में ४९४.९९ होगी**

## विस्मय शाह की परेशानी बढ़ गई

# विस्मय शाह की जमानत अर्जी हाईकोर्ट ने नोट बी फोर मी की

### अर्जी की सुनवाई से इनकार के बाद एक्टिंग चीफ जस्टिस अन्ट न्यायाधीश के समक्ष मेटर सुनवाई के लिए भेजेंगे

(संपूर्ण समाचार सेवा) अहमदाबाद राज्यभर में सनसनी मचाने वाले बीएमडब्ल्यु हिट एंड रन केस का आरोपी विस्मय शाह, इसकी पत्नी पूजा शाह के साथ मिलकर दोस्तों के साथ शराब - हुक्का की मेहफिल का मजा लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार हो जाने के मामले में विस्मय शाह की जमानत अर्जी की सुनवाई सोमवार को गुजरात हाईकोर्ट में होने की संभावना थी, लेकिन सिंगल न्यायाधीश उमेश त्रिवेदी ने विस्मय शाह की जमानत अर्जी की सुनवाई करने से साफ इनकार कर दिया था और यह केस की जमानत अर्जी की मेटर नोट बी फोर मी की थी। सिंगल न्यायाधीश ने जमानत अर्जी की सुनवाई करने का इनकार करने पर अब एक्टिंग चीफ जस्टिस अन्ट न्यायाधीश के समक्ष मेटर सुनवाई के लिए भेजेंगे और इसके बाद विस्मय शाह के जमानत का फैसला होगा। इस तरह, फिर एक बार विस्मय शाह की परेशानी बढ़ गई है। विशेष करके थर्टी फर्स्ट और न्यू ईयर का सेलिब्रेशन जेल में ही करना पड़ेगा यह अब निश्चित हो गया है। फिलहाल में गांधीनगर सेशन्स कोर्ट ने विस्मय शाह सहित के सभी छह आरोपियों की जमानत अर्जी सख्त रवैये के साथ खारिज कर दिया गया था। सेशन्स कोर्ट ने विस्मय सहित के आरोपियों की जमानत अर्जी खारिज करके जमानत देने से साफ इनकार कर दिया था। अहमदाबाद के बहुचर्चित बीएमडबल्यू हिट एंड रन के मामले में कुछ साल जेल में बिताने के बाद जमानत पर छुटे विस्यम शाह और उसकी पत्नी छह हाई प्रोफाइल लोग शराब की पार्टी करते हुए पकड़े गये थे। विस्यम शाह शहर के एक धनाढ्य परिवार से संबंध रखता है, पिछले कुछ वर्षों से अपनी करतूतों के कारण चर्चा में हैं। गांधीनगर पुलिस ने अडालज क्षेत्र में स्थित बालाजी कुटिर फार्म हाउस में छापा मारा था। इस दौरान विस्यम शाह, उसकी पत्नी पूजा शाह, भाइ चिन्मय शाह, महिला डाक्टर नीमा शाह, बिल्डर पुत्र मंथन गणात्रा तथा हरिश मजमूदार को शराब पीते हुए पाए गए थे। स्थल पर से ७ हुक्का, ७ बोतल विदेशी तथा ८ बीयर टीन भी बरामद की गई। इसके बाद सभी मेडिकल परिक्षण के लिए सिविल अस्पताल में ले जाया गया। पुलिस ने तीन दिन के रिमान्ड की मांग की थी किन्तु कोर्ट ने रिमान्ड को नामंजुर कर दिया था।

## सीबीआई ने किया सबूत मिलने का दावा

# अगुस्टा डील : भारतीयों को घूस के लिए दिए थे ४३२ करोड़ रुपये

### मिशेल-हाश्के ने ८ मई, २०११ को दुबई में जो अग्रीमेंट तैयार किया, उसमें ५८ मिलियन पाउंड रकम का जिक्र

(संपूर्ण समाचार सेवा)नई दिल्ली, अगुस्टा वेस्टलैंड डील में बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए सीबीआई उन भारतीयों तक पहुंचने के करीब है, जिन्होंने इस सौदे में घूस ली थी। सीबीआाी का दावा है कि उसने उन दस्तावेजों को बरामद कर लिया है, जिनसे यह तथ्य स्थापित होता है कि अगुस्टा ने क्रिश्चन मिशेल और गुइडो हाश्के को ५४ मिलियन पाउंड यानी ४३१ करोड़ रुपये की राशि भारत में पेमेंट के लिए दी थी। कंपनी ने कुल ५८ मिलियन पाउंड दिए थे, जिनमें से ५४ मिलियन पाउंड की रकम भारतीयों को दी जानी थी। सूत्रों के मुताबिक मिशेल और हाश्के ने ८ मई, २०११ को दुबई में जो अग्रीमेंट तैयार किया था, उसमें ५८ मिलियन पाउंड की रकम का जिक्र था। दुंबई में यह मीटिंग दोनों और के बिचौलियों के बीच रकम के बंटवारे को लेकर समझौता करने के लिए बुलाई गई थी। एक तरफ मिशेल और उसकी टीम थे, जबकि दूसरी तरफ हाश्के, कार्लो गेरोसा और त्यागी ब्रदर्स थे। इससे पहले दोनों ओर के बिचौलियों के बीच विवाद विवाद था। सीबीआाी का दावा है कि उसने उन दस्तावेजों को बरामद कर लिया है, जिनसे यह तथ्य स्थापित होता है कि अगुस्टा ने क्रिश्चन मिशेल और गुइडो हाश्के को ५४ मिलियन पाउंड यानी ४३१ करोड़ रुपये की राशि भारत में पेमेंट के लिए दी थी। कंपनी ने कुल ५८ मिलियन पाउंड दिए थे, जिनमें से ५४ मिलियन पाउंड की रकम भारतीयों को दी जानी थी। इसकी असल वजह यह थी कि हाश्के इस बात से खुश नहीं था कि मिशेल ने ४२ मिलियन पाउंड की रकम अपने लिख रख ली है, जबकि उन्हें ३० मिलियन रही थी। आखिर में इस बात पर समझौता हुआ कि मिशेल को ३० मिलियन पाउंड मिलेंगे, जबकि हाश्के और अन्य के बीच २८ मिलियन पाउंड की रकम में से बंटवारा होना था। सीबीआई के मुताबिक वायुसेना के पूर्व चीफ एसपी त्यागी और उनके परिजनों संदीप, संजीव और राजीव को १०.५ मिलियन पाउंड दिए जाने थे, जिसमें से ३ मिलियन पाउंड की रकम उन्हें अदा की गई थी।

## बहुजन समाज पार्टी की कांग्रेस को धमकी

# केस वापस ले वरना समर्थन वापस लेने पर होगा विचार

(संपूर्ण समाचार सेवा) लखनऊ, राजस्थान और मध्य प्रदेश में सरकार बनाने के लिए समर्थन देने के बाद अब बीएसपी ने कांग्रेस के समाने शर्त रख दी है। एमपी, राजस्थान में भारत बंद के दौरान आंदोलनकारियों के खिलाफ केस दर्ज किए गए हैं, वे वापस लिए जाए बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) ने कांग्रेस से मांग की है कि दोनों राज्यों में २ अप्रैल के भारत बंद के दौरान जिन आंदोलनकारियों के खिलाफ केस दर्ज किए गए हैं, वे वापस लिए जाए। बीएसपी ने चेतावनी भरे लहजे में कहा है कि अगर ऐसा नहीं किया गया तो वह कांग्रेस को बाहर से समर्थन देने के अपने फैसले पर पुनर्विचार कर सकती है। आपको बता दें कि दोनों ही राज्यों में कोग्रेस को अपने दम पर पूर्ण बहुमत नहीं मिला था, तब बीएसपी ने उसे समर्थन देने की घोषणा की थी। बीएसपी की इस धमकी के बाद कांग्रेस की टेंशन बढ़ सकती है। बीएसपी द्वारा जारी प्रेस रिलीज में कहा गया है, बीएसपी ने प्रेस रिलीज जारी कर सोमवार को कहा, हम मांग करते हैं कि २ अप्रैल के भारत बंद के दौरान राजस्थान और मध्य प्रदेश में जिनके खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए हैं, उन्हें वापस लिया जाएगा। अगर हमारी यह मांग नहीं मानी गई तो हम इन दोनों राज्यों में कांग्रेस को बाहर से समर्थन देने के बारे में फिर से विचार करेंगे। बीएसपी की इस धमकी के बाद कांग्रेस की टेंशन बढ़ सकती है। बीएसपी द्वारा जारी प्रेस रिलीज में कहा गया है, भारत बंद के दौरान यूपी सहित बीजेपी शासित राज्यों में जातिगत और राजनीतिक द्वेष की भावना के तहत कार्रवाई में लोगों को फंसाया गया है। ऐसे लोगों के खिलाफ चल रहे केस को वहां (एमपी और राजस्थान में) बनीं कांग्रेसी सरकारें वापस लें। अगर इस मांग पर कांग्रेस सरकार ने अविलंब कार्रवाई नहीं की तो हम उसे बाहर समर्थन देने के बारे मुं पुनर्विचार कर सकते हैं।

## सोहराबुद्दीन केस : जेटली का राहुल पर अटैक

# राहुल सही सवाल पूछते तो अच्छा होता : अरुण जेटली

## किसने सोहराबुद्दीन केस की जांच को प्रभावित किया उन्हें सही जवाब मिल गया होगा : वित्तमंत्री अरुण जेटली

(संपूर्ण समाचार सेवा) नई दिल्ली, सोहराबुद्दीन केस में विशेष सीबीआई अदालत की टिप्पणी के सहारे केंद्रीय वित्तमंत्री अरुण जेटली ने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधा है। फेसबुक पर लिखे अपने एक ब्लॉग में जेटली ने कहा कि मुंबई के विशेष सीबीआई जज ने सोहराबुद्दीन केस में सभी आरोपियों को बरी कर दिया। उन्होंने कहा कि बरी करने के आदेश से ज्यादा प्रासंगिक जज की टिप्पणी थी, जिसमें उन्होंने कहा कि शुरुआत से ही जांच एजेंसी ने सच सामने लाने के लिए पेशेवर तरीके से जांच नहीं की बल्कि कुछ राजनीतिक लोगों की तरफ इसे मोड़ दिया। गौरतलब है कि फैसले के दिन कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा था, सोहराबुद्दीन को किसी ने नहीं मारा। इस पर पलटवार करते हुए जेटली ने लिखा, ज्यादा अच्छा तो यह होता कि वह सही सवाल उठाते कि किसने सोहराबुद्दीन केस की जांच को प्रभावित किया। उन्हें सही जवाब मिल गया होगा। वित्तमंत्री ने आगे लिखा कि २७ सितंबर २०१३ को राज्यसभा में विपक्ष के नेता के तौर पर उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को एक पत्र लिखकर सोहराबुद्दीन, तुलसी प्रजापति, इशरत जहां, राजेंद्र राठौड़ और हरेन पांडया केसों की जांच के राजनीतिकरण का जिक्र किया था। उन्होंने ब्लॉग के साथ पत्र की कॉपी भी शेयर की है। उन्होंने कहा, हर एक शब्द जो मैंने पत्र में कहा था, पांच वर्षों के बाद सत्य साबित हुआ है। यह इस बात का अकाट्य प्रमाण है कि कांग्रेस ने हमारी जांच एजेंसियों के साथ क्या किया। उन्होंने आगे कहा कि जिन लोगों ने हाल में संस्थागत स्वतंत्रता को लेकर चिंता जताई थी, उन्हें गंभीरतापूर्वक आत्म-निरीक्षण करना चाहिए कि उन्होंने उस समय सीबीआई के साथ क्या किया था जब वह सत्ता में थे। सोहराबुद्दीन, उनकी पत्नी कौसर बी और सहयोगी तुलसीराम प्रजापति के साथ कथित फर्जी मुठभेड़ की जांच कर रही केंद्रीय जांच एजेंसी पर विशेष सीबीआई अदालत ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की थी। अदालत ने कहा कि मुठभेड़ की जांच पहले से सोचे समझे गए सिद्धांत के साथ कई राजनीतिक नेताओं को फंसाने के मकसद से की गई थी। विशेष सीबीआई न्यायाधीश एसजे शर्मा ने २१ दिसंबर को मामले में २२ आरोपियों को बरी करते हुए ३५० पृष्ठों वाले फैसले में यह टिप्पणी की।

## नए साल पर लोकसभा की तैयारी में जुटे राहुल गांधी, खड़ी की आक्रामक प्रवक्ताओं की नई टीम

(जी.एन.एस.), कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर दमदार और आक्रामक ढंग से पार्टी का पक्ष रखने वाले युवा नेताओं की टीम तैयार की है। टीम के कई चेहरे मीडिया में दिखते रहे हैं लेकिन प्रवक्ताओं के रूप में वरिष्ठ नेताओं के बीच युवा चेहरे भी राष्ट्रीय प्रवक्ता के रूप में दिखाई देंगे। इसमें राज्यसभा सांसद डा. सैय्यद नासिर हुसैन को भी शामिल किया गया है। जबकि मीडिया पैनल में लंबे समय से शामिल रहे पवन खेड़ा, जयवीर शेरगिल, रागिनी नायक, डा. गौरव वल्लभ , राजीव त्यागी, अखिलेश प्रताप सिंह, सुनील अहीर, सुश्री हिना कावारे, डा. श्रावण दासोजू को पदोन्नति देकर राष्ट्रीय प्रवक्ता का दर्जा दिया गया है। न्यूज चैनलों पर बतौर पैनलिस्ट शामिल होने वाले चेहरों में कुछ नए नाम जोड़े गए हैं। डा. शमा मोहम्मद, सुश्री ऐश्वर्या महादेव, आदिल बोफराई, अमन पवार, संजय चोकर, अनिल दंतोरी और जरिता शामिल की गई हैं। मोहम्मद खान को राष्ट्रीय मीडिया संयोजक, संजीव सिंह को पदोन्नत कर मुख्य राष्ट्रीय मीडिया संयोजक और मनोज त्यागी को संयोजक बनाया गया है।

## सिडनी टेस्ट में नहीं खेलेंगे

# स्टार क्रिकेटर रोहित शर्मा के घर गूंजी किलकारी

(संपूर्ण समाचार सेवा)मुंबई,

भारतीय टीम ने मेलबर्न में खेले गए बॉक्सिग डे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को हराकर सीरीज में बढ़त बना ली। इसके कुछ घंटों के बाद ही स्टार क्रिकेटर रोहित शर्मा के लिए एक और बड़ी खुशखबरी मिली कि उनके घर एक नन्ही परी आई है। रोहित ने मुंबई के लिए फ्लाइट पकड़ी और वह घर के लिए रवाना हो गए। रोहित पहली बार पापा बने हैं और उनकी पत्नी रितिका ने एक बेटी को जन्म दिया है। अब रोहित अपने घर के लिए रवाना हो गए हैं और ३ जनवरी से शुरू हो रहे सीरीज के अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेल सकेंगे। मेलबर्न में रोहित ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेलने वाले रोहित की जगह सिडनी टेस्ट में ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को टीम में शामिल किया जा सकता है।

## योगी आदित्यनाथ का कांग्रेस पर अटैक

# ईडी ही नहीं इटली में भी खुला था राज : योगी आदित्यनाथ

## मिशेल ने ही 'मिसेज गांधी' के नाम का खुलासा नहीं किया, बल्कि इटली में ही इसका खुलासा हुआ था : योगी

(संपूर्ण समाचार सेवा) लखनऊ, अगुस्टा वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलिकॉप्टर घोटाला मामले में बिचौलिए क्रिस्चन मिशेल द्वारा 'मिसेज गांधी' का नाम लेने के बाद देश की राजनीति में एक बार फिर घमासान मच गया है। इस मामले में बीजेपी के सभी मुख्यमंत्रियों के प्रेस कॉन्फ्रेंस करने की शुरुआत यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने की। सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीएम ने कहा कि क्रिस्चन मिशेल ने ही 'मिसेज गांधी' के नाम का खुलासा नहीं किया, बल्कि इटली में ही इसका खुलासा हुआ था। सीएम योगी ने कहा कि इस केस में 'मिसेज गांधी' का नाम २०१६ में ही सामने आ गया था। साल २०१६ में जब इटली की अदालत ने अगुस्टा घोटाले से जुड़े अधिकारियों को सजा सुनाई थी तो अपने फैसले में कहा था कि कुछ लोग इटली के बाहर के हैं। कोर्ट उन्हें सजा नहीं सुना सकता। योगी ने दावा किया कि इसी आदेश में 'मिसेज गांधी' का जिक्र था। योगी ने दावा किया कि मिशेल की गिरफ्तारी के बाद कांग्रेस ने अपनी वकील भेजा था। कांग्रेस को डर था कि कहीं 'मिसेज गांधी' का नाम न आ जाए। योगी ने कांग्रेस को 'चोर की दाढ़ी में तिनका', 'चोर मचाए शोर', 'चोरी और ऊपर से सीना जोरी' वाली कहावतों से संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है। इसके बावजूद वह देश के आम नागरिकों और देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करती रही है। २००४ से २०१४ तक इस देश के अंदर कोई ऐसा क्षेत्र नहीं था, जहां कांग्रेस ने भ्रष्टाचार न किया हो, जल थल और नभ हर जगह भ्रष्टाचार कांग्रेस की यूपीए सरकार के कार्यकाल में हुआ है। अगुस्टा वेस्टलैंड मामले में जांच के दौरान जो कड़ियां खुलकर सामने आ रही है, उसको गंभीरता से लेने की जरूरत है। देश के सबसे बड़े राजनीतिक हैसियत रखने वाले परिवार और सोनिया गांधी के बारे में बिचौलिए मिशेल की गिरफ्तारी के बाद कई बातें निकलकर सामने आई हैं। योगी ने कहा कि कांग्रेस ने दुनिया में भारत की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया है।

## यंगस्टर्स रातभर डांस पार्टी-डीजे के ताल पर झूमे

# हर्षोल्लास के साथ २०१९ के नये वर्ष का स्वागत हुआ

## सीजी रोड, एसजी हाईवे सहित के स्थलों पर यंगस्टर्स भारी संख्या में पहुंचे : होटलों-क्लबों में रातभर डांस-मस्ती

(संपूर्ण समाचार सेवा) अहमदाबाद,

शहर सहित राज्यभर में यंगस्टर्स सहित सभी ने ३१ दिसम्बर को हर्षोल्लास और उत्साह के साथ थर्टी फर्स्ट को मनाने के लिए नये २०१९ के वर्ष का स्वागत किया गया। शहर के सीजी रोड, एसजी हाईवे, कांकरिया सहित के स्थलों पर तो यंगस्टर्स सहित अहमदाबाद की जनता भारी संख्या में पहुंचे और रात के १२ बजे शोर मचाकर गुडबाय २०१८ और वेलकम २०१९ कहकर नये वर्ष का स्वागत किया गया। रात के १२ बजे शहर सहित राज्यभर में नागरिकों ने विशेष करके यंगस्टर्स पटाखे फोड़कर, रंगबिरंगी आतिशबाजी करके, डांस करके २०१९ के नये वर्ष को उत्साह के साथ शानदार तरीके से मनाया गया। थर्टी फर्स्ट का उत्सव और न्यू ईयर को लेकर शहर की अधिकतर होटलों-रेस्टोरन्ट, क्लबों -फार्महाउस और पार्टीप्लोट में यंगस्टर्स डान्स पार्टी, नाच-गान, डीनर पार्टी, डांस-मस्ती सहित के कार्यक्रमों में रातभर मजा लेते रहे। शहर के कई मार्गों, ब्रिज, शोपिंग मॉल्स और बड़े-बड़े बिल्डिंग रोशनी से सजाये गये। शहर पुलिस की ३० से ज्यादा, ८ हजार से ज्यादा पुलिस जवान, ६५० से ज्यादा बाइकर्स पुलिस, ३०० पुलिसवाहन और महिला पुलिस की सादा ड्रेस में तैनात रही टीमें सीजी रोड, एसजी हाईवे, कांकरिया, आईआईएम नरोडा, निकोल सहित के स्थलों पर रातभर पेट्रोलिंग की गई। ब्रेथ एनेलाइजर के साथ जांच करके कई शराबियों को गिरफ्तार किया गया, १००६ सीसीटीवी कैमरे, १००० ब्रेथ एनेलाइजर, एक हजार बाइक, क्वीक रिस्पोन्स टीम और ९० से ज्यादा पीसीआर वान के द्वारा शहर पुलिस ने अहमदाबाद के विभिन्न मार्गों पर उत्सव के माहौल पर कड़ी निगरानी रखी गई। शहर की अधिकतर होटल-रेस्टोरन्ट, क्लबों और फार्महाउस और पार्टीप्लोट पर शबाब और शराब की मेहफिल चली। डान्स पार्टी और डीजे के ताल के बीच रातभर झूमते रहे इसके साथ डीनर पार्टी और यंगस्टर्स थर्टी फर्स्ट के उत्सव और नये वर्ष का स्वागत करने में झूमते रहे। हर वर्ष के जैसे हजारों यंगस्टर्स सीजी रोड और एसजी हाईवे सहित के स्थलों पर यंगस्टर्स भारी संख्या में पहुंचे। भारी हर्षोल्लास और उत्साह के माहौल के बीच थर्टी फर्स्ट दिसम्बर और न्यू ईयर को मनाया गया। रात के १२ बजने की तैयारी थी तब कुछ सैकन्ड के लिए सभी रूक गये और बाद में रिवर्स काउन्टींग करके टेन, नाइन, एइट, सेवन.. टू, वन..वेलकम २०१९, हेप्पी न्यू ईयर टू ऑल कहकर नये वर्ष का स्वागत किया गया। नये वर्ष के आगमन को शहरीजनों ने पटाखे फोड़कर और आतिशबाजी करके एक दूसरे को हेप्पी न्यू ईयर करके स्वागत किया गया। अहमदाबाद शहर की अधिकतर होटल-रेस्टोरेन्ट, क्लबों -फार्महाउस, पार्टीप्लोट में इस बार विभिन्न थीम बेज और डीजे के ताल और रोकिंग की मस्ती के साथ डान्स पार्टी, नाच-गान, डिनर पार्टी सहित के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ३१ दिसम्बर के बड़े जश्न की शुरुआत आज शाम से कर दी गई थी। साल २०१८ को विदाय दे दी गई हैं। जबकि साल २०१९ के शानदार स्वागत के लिए उत्सव का दौर शुरु हो गया था। पुलिस सुरक्षा व्यवस्था के बीच उत्सव शुरु हो गया था। प्रशासन ने भी तैयारी की गई थी। नये वर्ष के स्वागत के लिए शहर के सभी क्षेत्रों में अलग-अलग आयोजन किया गया था। हमेशा के जैसे इस बार भी सीजी रोड पर विशेष आयोजन किया था। ३१ दिसम्बर के उत्सव दौरान कोई भी घटना नहीं हो इसके लिए कदम उठाये गये थे। स्टेडियम चार रास्ते से लेकर पंचवटी सर्कल तक सीजी रोड के समग्र पट्टे को बंद रखा गया था।

## भगवान के दर्शन-पूजा करके धन्य हुए राष्ट्रपति

# राष्ट्रपति ने सोमनाथ मंदिर में श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की

## ब्राह्मणों ने वैद मंत्रोंच्चार करके राष्ट्रपति का स्वागत किया : सरदार पटेल की प्रतिमा को पुष्प अर्पित किया

(संपूर्ण समाचार सेवा) गांधीनगर, कच्छ और सौराष्ट्र के दौरे पर पहुंचे राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सोमवार को अरब सागर के तट पर बिराजमान भारत वर्ष के आस्था केन्द्र सोमनाथ भगवान के समक्ष शीश झुकाकर आस्थापूर्वक वंदना की थी। प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ भगवान की राष्ट्रपति के साथ उनके परिजनों ने भी पूजा, अर्चना, अभिषेक करके सभी के कल्याण के लिए मंगल प्रार्थना की थी। देश के राष्ट्रपति के तहत वह दूसरी बार भगवान सोमनाथ भगवान के दर्शन करने के लिए पहुंचे। उन्होंने सोमनाथ भगवान की मध्याह्न आरती का भी श्रद्धापूर्वक लाभ लिया। राष्ट्रपति सोमनाथ गोलोकधाम हेलीपेड पहुंचने पर वन और पर्यावरण मंत्री गणपतभाई वसावा, कलेक्टर अजय प्रकाश, जिला पुलिस प्रमुख राहुल त्रिपाठी ने उनका स्वागत पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। वहां से राष्ट्रपति अखंड भारत के सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। यहां सोमनाथ भगवान के दर्शन करने के लिए पहुंचे यात्रियों ने राष्ट्रपति को वंदे मातरम के नारे के साथ स्वागत किया गया। बाद में राष्ट्रपति सोमनाथ परिसर में पहुंचे। सोमनाथ मंदिर के विद्वान ब्राह्मणों ने वेद मंत्रोच्चार करके उनका स्वागत किया गया। मंत्रोच्चार से माहौल पवित्र बन गया। सोमनाथ मंदिर ने जिला विकास अधिकार धर्मेन्द्रसिंह रहेवर और सोमनाथ ट्रस्ट के सलाहकार यशोधर भट्ट ने राष्ट्रपति का स्वागत किया। गया। सोमनाथ महादेव कैलाशपति को राष्ट्रपति ने श्रद्धापूर्वक वंदना करने से धन्य हो गए। उन्होंने शिवलिंग पर गंगाजल का अभिषेक करके देश-विश्व के कल्याण के लिए कामना की। आचार्य धनंजयभाई दवे ने पूजाविधि कराई। इस अवसर पर देश की प्रथम महिला और राष्ट्रपति की पत्नी तथा उनके परिजन साथ में शामिल हुए। पूजा-अर्चना के बाद राष्ट्रपति ने मेहमानों के साथ समुद्र दर्शन पर डीनर किया। सोमनाथ मंदिर में राष्ट्रपति को मंत्री वसावा, सोमनाथ ट्रस्ट के सलाहकार यशोधर भट्ट और जनरल मैनेजर विजयसिंह चावडा ने स्मृति चिन्ह अर्पित किया।

# इंडिगो की फ्लाइट में सिगरेट पीने के आरोप में महिला गिरफ्तार

(जी.एन.एस.),गुवाहाटी से कोलकाता आने वाली इंडिगो एयरलाइंस की एक उड़ान के शौचालय में कथित रूप से सिगरेट पीने के आरोप में एक महिला यात्री को रविवार को गिरफ्तार किया गया। एयरपोर्ट सूत्रों ने सोमवार को यहां इस बात की जानकारी दी। एयरलाइंस के सुरक्षा कर्मचारियों ने यहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर महिला को पुलिस के हवाले कर दिया।

एयरलाइंस के कर्मचारियों का दावा है कि महिला ने शौचालय में लगी स्मोक डिटेक्टर मशीन को भी तोड़ने का प्रयास किया था, ताकि वह पकड़ में ना आ सके। लेकिन उसके शौचालय से बाहर निकलते ही कर्मचारियों को इसका पता चल गया। उसके बाद महिला के खिलाफ लिखित शिकायत की गई।

## नए सालकी पूर्व संध्या पर खुशखबरी

# पेट्रोल-डीजल की कीमत में २० पैसे की कटौती हुई

## आज दिल्ली में पेट्रोल ६८.८४ रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल ६२.८६ रुपये प्रति लीटर बिक रहा हैं

(संपूर्ण समाचार सेवा) नई दिल्ली,

देश की पेट्रोलियम कंपनियों ने साल २०१८ की विदाई के मौके पर उपभोक्ताओं को खुशखबरी दी है। नए साल की पूर्व संध्या पर पेट्रोल २०१८ की सबसे सस्ती दरों पर मिल रहा है। आज पेट्रोल की कीमतों में प्रति लीटर २० पैसे की कटौती की गई जबकि डीजल प्रति लीटर २३ पैसा सस्ता हो गया है। आज डीजल की यह दर पिछले नौ महीने में सबसे कम है। नई दरों के आधार पर आज दिल्ली में पेट्रोल ६८.८४ रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल ६२.८६ रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। ध्यान रहे कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में अक्टूबर महीने से ही लगातार गिरावट आ रही है। १८ अक्टूबर के बाद से अब तक सिर्फ एक दिन ही कीमतों में कटौती नहीं हुई थी। वहीं, डीजल मार्च के बाद सबसे सस्ता हो गया है। १८ अक्टूबर से अब तक पेट्रोल की कीमतों में १३.७९ रुपये की गिरावट आई है। ध्यान रहे कि यह रकम पहले के दो महीनों (मध्य अगस्त से १८ अक्टूबर) के दौरान आई पेट्रोल की कीमतों में तेजी से ज्यादा है। वहीं, इन ढाई महीनों में डीजल १२.०६ रुपये सस्ता हो चुका है। इससे पहले, ४ अक्टूबर को मुंबई में पेट्रोल ९१.३४ रुपये जबकि दिल्ली में ८४ रुपये की रेकॉर्ड कीमतों पर पहुंच गया था। उस दिन डीजल भी मुंबई और दिल्ली में क्रमशः ८०.१० रुपये और ७५.४५ रुपये प्रति लीटर बिका था। १६ अगस्त से ४ अक्टूबर के बीच पेट्लो की कीमतों में ६.८६ रुपये जबकि डीजल की कीमतों में ६.७३ रुपये का इजाफा हुआ था। तब केंद्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में १.५० रुपये प्रति लीटर की कटौती की और उसकी अपील पर तेल कंपनियों से भी १-१ रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी। कच्चे तेल की अंतराष्ट्रीय कीमतों में लगातार बढ़ोतरी के कारण १७ अक्टूबर को दिल्ली में पेट्रोल और डीजल की दरें क्रमशः ८२.८३ रुपये और ७५.६९ रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गई थी। लेकिन, कच्चा तेल सस्ता होने के कारण तब से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार गिरावट देखी गई और पिछले ढाी महीने में सिर्फ एक दिन १८ दिसंबर को पेट्रोल की कीमत १० पैसे बढ़ी। वहीं, डीजल की कीमतें १७ और १८ दिसंबर को क्रमशः ९ पैसै और ७ पैसे बढ़ी। ऑइल इंडस्ट्री के सूत्रों का अनुमान है कि नए साल में भी कुछ दिनों तक पेट्रोल-डीजल सस्ते होते रहेंगे।

## घटना की वजह से पुलिसबेडा में सनसनी

# चांदलोडिया में पीएसआई ने की सर्विस रिवॉल्वर से आत्महत्या

(संपूर्ण समाचार सेवा) अहमदाबाद,

शहर के चांदलोडिया क्षेत्र में रहते पीएसआई देवेन्द्रसिंह राठोड ने सोमवार को अपनी सर्विस रिवॉल्वर से दाढ़ी के हिस्से पर गोली मारकर आत्महत्या कर लेने से सनसनी मच गई। घटना की वजह से शहर पुलिसबेडा में शोक की लहर फैल गई, आत्महत्या करने वाले राठोड के परिवारवाले शोक में डूब गये। घटना की वजह से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई। सोला पुलिस को घटना की जानकारी मिलने पर तुरंत पीएसआई के आवास पर पहुंचकर पूरे मामले में जांच शुरू कर दी है। चांदलोडिया में वंदेमातरम रोड पर निर्माण टावर में रहते पीएसआई देवेन्द्रसिंह राठोड गांधीनगर के पास स्थित कराई ट्रेनिंग सेन्टर में तालीम ले रहे थे और इसके साथ यूपीएससी की परीक्षा की तैयारी भी कर रहा था तब सोमवार को दोपहर में अचानक उसने किसी कारण की वजह से अपने आवास पर अपनी सर्विस रिवॉल्वर के द्वारा दाढ़ी के हिस्से से गोली मारकर आत्महत्या कर लेने से सनसनी मच गई। विशेष करके शहर पुलिसबेडा में सनसनी मच गई और इसके साथ पुलिसबेडा में शोक की लहर फैल गई,। उनकी डेढ़ वर्ष की एक बेटी है। पीएसआई की आत्महत्या की वजह से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई।घटना की जानकारी मिलने पर सोला पुलिस और चांदलोडिया पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे मामले में जांच शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि, पीएसआई देवेन्द्र राठोड २०१७ की बेच के फर्स्ट रेंकर पीएसआई थे और वह पुलिस की नौकरी और डयूटी में भी नियमित और एक्युरेट पर्सन के तौर पर था, कौन-सी परिस्थिति में उसने अपनी सर्विस रिवॉल्वर के द्वारा आत्महत्या की है इसे लेकर कई प्रश्न उठाये जा रहे है।

RNI No. GUJHIN/2011/39228 Printed, Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004 and Published from 131, Dharmanagar Society, Highway Road, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPKLAL SHAH